
.. kAverI stotram ..

॥ कावेरी स्तोत्रम् ॥

Sanskrit Document Information



Text title : kAverIstotram

File name : kAverIstotram.itx

Location : doc_devii

Language : Sanskrit

Subject : philosophy/hinduism/religion

Transliterated by : Suresh Pitre suresh.pitre at gmail.com

Proofread by : Suresh Pitre, PR Kannan, PSA Easwaran

Description-comments : Kaveri Rahasyam

Latest update : December 31, 2016

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

Site access : <http://sanskritdocuments.org>

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

December 31, 2016

sanskritdocuments.org



॥ कावेरी स्तोत्रम् ॥

ParAsara Bhattar's few shlokas on Caveri from Shri Rangaraja Stotram

श्रीपराशरभट्टाचार्यकृते श्रीरङ्गराजस्तोत्रे
कावेरीमाहात्म्यसम्बन्धे स्पष्टीकृतानि कानिचित् श्लोकानि ॥

दुग्धाब्धिर्जनको जनन्यहमियं श्रीरेव पुत्री वरः
श्रीरङ्गेश्वर एतदर्हमिह किं कुर्यामितीवाकुला ।
चञ्चामरचन्द्रचन्दनमहामाणिक्यमुक्तोत्करान्
कावेरीलहरीकरैर्विदधती पर्येति सा सेव्यताम् ॥ १ ॥

अगणितगुणावद्यं सर्वं स्थिररत्नसमप्रतिक्रिया-
मपि पयःपुरैराप्याययन्त्यनु जाग्रति ।
प्रवहति जगद्धात्री भूत्वैव रङ्गपतेर्दया
शिशिर मधुरागाधा सा नः पुनातु मरुद्दृधा ॥ २ ॥

तरलतनुतरङ्गैर्मन्दमान्दोलिमान-
स्वतटविटपिराजी मञ्जरी सुप्तभृङ्गा ।
क्षिपतु कनकनाम्नी निम्नगा नारिकेल-
क्रमुकजमकरन्दैर्मासलापा मदंहः ॥ ३ ॥

कदलवकुलजम्बूपूगमाकन्दकण्ठ-
द्वयससरसनीरामन्तरा सह्यकन्याम् ।
प्रबलजलपिपासालम्बमानाम्बुदौघ-
भ्रमकरतरुवृन्दं वन्द्यतामान्तरीपम् ॥ ४ ॥


हंसयुक्तविमानस्थे ब्रह्माणीरूपधारिणि ।
कौशाम्भःक्षरिके देवि नारायणि नमोऽस्तुते ॥

Encoded by Suresh Pitre suresh.pitre at gmail.com

Proofread by Suresh Pitre, PR Kannan, PSA Easwaran

॥ कावेरी स्तोत्रम् ॥

.. kAverI stotram ..
was typeset using Xe_{La}TeX 0.99996
on December 31, 2016

——
Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

